RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

कैसे खा सकते तरस, इन लोगों पर हाय।
यारी कर ले घास से, तो घोड़ा क्या खाय।
तो घोड़ा क्या खाय, घास वह छोड़े कैसे।
बच जायें या मरें, चाहिए हम को पैसे।
कह साहिल कविराय, हॉस्पिटल सारे ऐसे।
जालिम यदि ना बनें, गुजारा हो फिर कैसे।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 10 | ISSUE 351 | SUNDAY 28-12-2025 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

मोहाली बना गैंगस्टरों की पसंदीदा पनाहगाह, एक साल में 7 एनकाउंटर; 10 गिरफ्तार, 1 ढेर

अजीत झा

मोहाली/यूटर्न/27 दिसंबर। पिछले एक साल में मोहाली जिले में गैंगस्टर गतिविधियों ने पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़े बताते हैं कि जिले में 7 मुठभेड़ों के दौरान 10 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक बदमाश मारा गया। इसके अलावा जिले में 20 से ज्यादा फायरिंग की घटनाएं सामने आई, जिनमें अधिकांश मामले रंगदारी और गैंगवार से जुड़े रहे। पुलिस की कार्रवाई से साफ संकेत मिलते हैं कि गैंगस्टर मोहाली को सुरक्षित ठिकाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। हाल ही में कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े इंदरप्रीत सिंह उर्फ पैरी की 11 गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। यह घटना दशार्ती है

सीमावर्ती इलाकों का फायदा उठा रहे गैंगस्टर

मोहाली की सीमाएं चंडीगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से लगती हैं। खरड़, जीरकपुर, डेराबस्सी और नयागांव जैसे इलाकों में घनी आबादी और बड़ी संख्या में प्राइवेट फ्लैट्स होने के कारण अपराधियों को आसानी से पनाह मिल जाती है। किराएदारों की समुचित वेरिफिकेशन न हो पाना भी अपराध बढ़ने का बड़ा कारण माना जा रहा है।

कि बदमाश मोहाली में छिपकर साजिश रचते हैं और आसपास के इलाकों में अपराध कर लौट आते हैं।

एक साल में एनकाउंटर और बड़ी कार्रवाई

- 1 मार्च 2025 : गोल्डी बराड़ गैंग के सदस्य मलकीयत का एनकाउंटर
- 16 अप्रैल 2025 : गोल्डी बराड़ और भानू राणा गैंग से जुड़े कार्तिक का घोलूमाजरा के पास एनकाउंटर
- 5 अगस्त 2025 : गुलाबगढ़ रोड पर बिश्नोई गैंग के इनामी बदमाश सुमित को गोली मारकर गिरफ्तार
- 12 नवंबर 2025 : लॉरेंस और गोल्डी गैंग से जुड़े शरणजीत व अमन घग्गर नदी किनारे मुठभेड़ में जख्मी
- 17 नवंबर 2024 : लैहली के पास अपराधी सतिंदर को गोली मारकर दबोचा
- 27 नवंबर 2025 : एसएसएल टावर्स के पास लॉरेंस गैंग के हरविंदर और समीर से मुठभेड़, दो पुलिसकर्मी घायल
- 17 दिसंबर 2025 : बंबीहा गैंग से जुड़े हरपिंदर की एनकाउंटर में मौत, दो पुलिस जवान जख्मी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में सघन निगरानी, किराएदार सत्यापन और सीमावर्ती इलाकों में चेकिंग तेज की जा रही है, ताकि मोहाली को गैंगस्टरों की पनाहगाह बनने से रोका जा सके।

चंडीगढ़ में कोहरे का कहर, ठंड बढ़ी; कम दृश्यता से सड़क और हवाई यातायात प्रभावित

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। शनिवार सुबह चंडीगढ़ में घना कोहरा छाए रहने से शहर की रफ्तार थम सी गई। दृश्यता बेहद कम होने के कारण खासकर सुबह के समय वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रमुख सड़कों और हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए और लोग हेडलाइट व फॉग लाइट के सहारे सफर करने को मजबूर रहे।मौसम की मार का असर हवाई यातायात पर भी साफ दिखाई दिया। शुक्रवार को कम दृश्यता के चलते चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कुल नौ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इनमें तीन आने वाली और सात जाने वाली फ्लाइट्स शामिल रहीं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई और एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को चंडीगढ़ का अधिकतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री तक पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी के बावजूद कोहरे और नमी के कारण ठंड का असर ज्यादा महसूस किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ दिनों तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। साथ ही आसमान में आंशिक रूप से बादल बने रह सकते हैं, जिससे सुबह और रात के समय दृश्यता और घट सकती है।प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, सुरक्षित दूरी बनाए रखें और अनावश्यक यात्रा से बचें। यात्रियों को भी फ्लाइट से पहले एयरलाइन से अपडेट लेने की सलाह दी गई है।

पक्खोवाल रोड स्थित हीरो बेकरी को सील करने का मामला

क्या 2009 की तरह फिर उड़ेगी कोर्ट के निदेशों की धज्जियां, हीरो बेकरी को बचाने में जुटा सरकारी तंत्र

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। लुधियाना की नामी हीरो बेकरी को शुक्रवार नगर निगम की और से तीसरी बार सील कर दिया गया है। हालांकि सीलिंग के दौरान बेकरी की दीवारों और शटरों पर लिखित रुप में नोटिस चिपकाए गए थे। जिसमें नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल की तरफ लिखा गया था कि यह बिल्डिंग नगर निगम की और से सील की गई है। अगर कोई व्यक्ति इस सील को खोलने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कानून मुताबिक कार्रवाई होगी। हैरानी की बात तो यह है कि निगम कमिश्नर के आदेशों के बावजूद उक्त नोटिसों को किस ने फाड़ डाला। सुबह सभी नोटिस जमीन पर गिरे मिले। अब देखना होगा कि क्या निगम द्वारा आसपास की सीसीटीवी कैमरे देखकर क्या नोटिस फाड़ने वालों पर कानूनी एक्शन लिया जाएगा या नहीं। चर्चा है कि इन नोटिसों को बेकरी मालिक जीत सिंह द्वारा अपने वर्करों के जरिए फाड़ा गया है। हालांकि उनकी तरफ से साफ इंकार किया जा रहा है। वहीं चर्चा है कि अब सरकारी तंत्र बेकरी का बचाव करने में जुट गया है। वह जैसे तैसे करके बेकरी की सील खोलने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी कोशिश है कि अब की बार इस तरह का पैंतरा अजमाया जाए, ताकि आगे जाकर कभी भी बेकरी सील न हो।

हीरो बेकरी के बाहर से हटाए गए नोटिस

सुबह जमीन पर पड़े मिले नोटिस

बेकरी के बाहर फोटो खींचने के लिए खड़े कारिंदे

दस्तावेजों में हेरफेर कर कोर्ट के जरिए परमिशन दिलाने की क्वायद शुरू...चर्चा है कि निगम के कुछ भ्रष्ट अफसरों द्वारा बेकरी मालिक का बचाव करने की कोशिश की जा रही है। जिसके चलते उनकी और से दस्तावेजों में हेरफेर किया जा रहा है। अफसरों द्वारा यह नहीं कहा जा रहा कि पूरी बेकरी की इललीगल तरीके से बनी है, बल्कि यह दावा किया जा रहा है कि बेकरी का कुछ हिस्सा ही अवैध है। ताकि इसके जरिए बेकरी मालिक को राहत मिल सके। बेकरी मालिक कोर्ट पहुंच चुका है। अब भ्रष्ट अफसर ईमानदार अफसरों को गुमराह कर अंदरखाते बेकरी मालिक का साथ देगें और कोर्ट के जरिए सील खोलने की परमिशन दिलाएंगे, ताकि दोबारा से कार्रवाई न हो।

सीलिंग के दिन ही मालिक पहुंचा कोर्ट...चर्चा है कि बेकरी मालिक को कुछ अफसरों ने सीलिंग की कार्रवाई संबंधी पहले ही जानकारी दे दी थी। जिसके चलते शुक्रवार को सीलिंग के दिन ही मालिक ने कोर्ट का रुख कर लिया। चर्चा है कि पहले भी सीलिंग के दौरान इसी तरह नोटिस फाड़ दिए गए थे, ताकि लोगों को पता न चल सके कि बेकरी पर कार्रवाई हुई है। जिससे बदनामी होने से बच जाएगी।

बेकरी मालिक ने कारिंदे किए तैनात...वहीं चर्चा है कि बेकरी मालिक द्वारा बेकरी के बाहर अपने कारिंदे शनिवार को तैनात कर रखे थे। इस दौरान अगर कोई मीडिया कर्मी बेकरी के बाहर जाकर फोटो व वीडियो बनाता था, तो कारिंदो द्वारा उनकी फोटो व वीडियोग्राफी की जा रही थी।

भारत के चीफ जस्टिस के नियमों की उड़ चुकी हैं धज्जियां

बता दें कि भारत के मौजूदा माननीय चीफ जस्टिस सूर्यकांत की और से हाईकोर्ट के जस्टिस रहते हुए 2008 में नगर निगम लुधियाना को हीरो बेकरी समेत सभी सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे छुड़वाने के लिए कहा था। तब बेकरी समेत मल्हार रोड के बाकी अवैध कब्जों के बाहर लाल रंग से क्रॉस का निशान भी लगाकर मार्क कर दिया था कि इस अवैध कब्जे को हटाया जाएगा। कई महीने जमीन मार्क रही, फिर उक्त मार्किंग की 7-8 महीने तक फोटोज क्लिक करके कोर्ट में पेश कर बताया कि हमने मार्किंग कर दी है, जल्द एक्शन होगा। लेकिन फिर बाद मार्किंग हटा दी। जबकि भारत के चीफ जस्टिस द्वारा 2008 में दिए आदेशों की भी निगम अफसर धज्जियां उड़ा रहे है।

कंपाउंड ही नहीं हो सकती बेकरी

वहीं बता दें कि हीरो बेकरी पूरे तरीके से इललीगल है। सरकारी जमीन पर बनी बेकरी कभी भी कंपाउंड नहीं हो सकती। लेकिन फिर भी निगम के कुछ भ्रष्ट अफसरों ने 75000 रुपए सरकारी फीस लेकर इस बेकरी को कंपाउंड कर डाला। जिससे साफ जाहिर होता है कि अफसरों की भी इसमें पूरे तरीके से मिलीभगत है।

मेहनत, अनुशासन और जज्बे की मिसाल बने सार्थक भसीन, CAT-2025 में 98.47 पर्सेंटाइल के साथ सिटी टॉपर

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। होनहार युवा सार्थक भसीन ने कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT)-2025 में 98.47 पर्सेंटाइल हासिल कर न सिर्फ शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि लुधियाना से सिटी टॉपर बनने का गौरव भी प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि कड़ी मेहनत, सही रणनीति और अटूट आत्मविश्वास का परिणाम है।

सार्थक ने इस प्रतिष्ठित प्रबंधन प्रवेश परीक्षा की तैयारी एलाइट्स ग्रिड के मार्गदर्शन में की, जहाँ उन्हें हन्नी सर और गौरव सर का विशेषज्ञ मार्गदर्शन मिला। खास बात यह रही कि उन्होंने उअळ की तैयारी पूर्णकालिक नौकरी के साथ की। वे वायूटेल टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक टेलीकॉम कंपनी में कार्यरत रहते हुए पढ़ाई करते रहे। यह सार्थक का CAT का दूसरा प्रयास था। पहले प्रयास में लगभग 70 पर्सेंटाइल से लेकर इस बार 98.47 पर्सेंटाइल तक पहुँचना उनकी मेहनत और मानसिक दृढ़ता का जीवंत प्रमाण है। अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए सार्थक ने कहा कि नौकरी और पढ़ाई का संतुलन कठिन था, लेकिन निरंतर अभ्यास और सही मार्गदर्शन ने उन्हें हर चुनौती से उबरने की ताकत दी। उनकी सफलता उन हजारों अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है, जो प्रोफेशनल जिम्मेदारियों के साथ CAT की तैयारी कर रहे हैं।

आखिरकार, पंजाब ने 1878 करोड़ के जीरकपुर-पंचकूला बाईपास प्रोजेक्ट के लिए रास्ता साफ किया

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। पंजाब ने आखिरकार 1,878 करोड़ रुपये के जीरकपुर-पंचकूला बाईपास प्रोजेक्ट को क्लियर करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। वन सचिव ने लंबे समय से अटके स्टेज-2 फॉरेस्ट क्लीयरेंस की सिफारिश की है और शुक्रवार को औपचारिक मंजूरी के लिए फाइल वन मंत्री को भेज दी है। यह कदम यूटर्न टाइम अखबार द्वारा प्रकाशित की गई खबर के बाद उठाया गया। जिसमें पंजाब वन विभाग द्वारा अनिवार्य स्टेज-2 क्लीयरेंस देने में हुई अत्यधिक देरी को उजागर किया गया था, जबकि प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) से मंजूरी मिले आठ महीने हो चुके थे। रिपोर्ट में बताया गया था कि फाइल लगभग दो हफ़्तों तक वन सचिव के पास पड़ी रही, इस दौरान उन्होंने बार-बार पूछे जाने वाले सवालों का जवाब नहीं दिया।

एनएचएआई ने फाइल भेजी आगे

प्रोजेक्ट से जुड़े एनएचएआई अधिकारियों ने कहा कि वन मंत्री द्वारा औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद, फाइल अंतिम स्टेज-2 फॉरेस्ट क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जारी करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के इंटीग्रेटेड रीजनल ऑफिस (IRO), चंडीगढ़ को भेजी जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, ₹इसमें ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए। एक बार जब संरक्षित वनों की औपचारिक घोषणा हो जाएगी, तो क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जारी किया जा सकता है, जिससे काम देने का रास्ता साफ हो जाएगा।

पंजाब सरकार के अधिकारी ने की पुष्टि

इसकी पुष्टि करते हुए, पंजाब सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वन सचिव ने अब क्लीयरेंस की सिफारिश कर दी है और औपचारिक मंजूरी के लिए फाइल वन मंत्री को भेज दी है। अधिकारी ने कहा, एक बार जब मंत्री इसे मंजूर कर देंगे, तो प्रक्रिया अगले चरण में आगे बढ़ेगी।

क्लीयरेंस के कारण रुका था प्रोजेक्ट

स्टेज-2 क्लीयरेंस देने में देरी के कारण यह प्रोजेक्ट रुका हुआ था, जबकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सभी निर्धारित शर्तों को पूरा कर लिया था और वन विभाग द्वारा उठाए गए सभी आपत्तियों को भी दूर कर दिया था। इस गतिरोध के कारण एनएचएआई को बोली प्रक्रिया को बार-बार स्थगित करना पड़ा, और प्राधिकरण ने इस सप्ताह की शुरूआत में बोली की समय सीमा में लगातार छठी बार विस्तार की घोषणा की, क्योंकि वह अनिवार्य वन मंजूरी का इंतजार कर रहा था, जिसके बिना काम नहीं दिया जा सकता।

बाईपास से मिलेगी कई सुविधाएं

छह-लेन वाला जीरकपुर बाईपास, जिसकी कल्पना एक दशक पहले की गई थी और जिसके लिए भूमि अधिग्रहण 2020 में पूरा हो गया था, ट्राईसिटी में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। NH-7 पर जीरकपुर-पटियाला जंक्शन से लेकर NH-5 पर जीरकपुर-परवाणू जंक्शन तक 19.2 किमी तक फैले इस प्रोजेक्ट में 6.195 किमी का एलिवेटेड सेक्शन, कई फ्लाईओवर, अंडरपास, पुल और एक रेलवे ओवरब्रिज शामिल है। इसे जीरकपुर और पंचकूला से गुजरने वाले ठल्-5 और ठल्-7 कॉरिडोर पर होने वाले भारी इंटर-स्टेट और लोकल ट्रैफिक को डायवर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो अक्सर जाम रहता है। यह आने वाले ट्राइसिटी रिंग रोड का भी एक अहम हिस्सा है।

सिटी सेंटर होशियारपुर में वखरा स्वैग का भव्य आगाज, डिप्टी स्पीकर जय किशन सिंह रोड़ी ने किया उद्घाटन

होशियारपुर/दलजीत अज्नोहा/यूटर्न/27 दिसंबर। सोनालिका (प्रिंसिपल स्पॉन्सर), पंजाब टूरिज्म और जिला प्रशासन के सहयोग से आर.जे. क्रिएटर्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शॉपिंग एवं लाइफस्टाइल एग्जीबिशन वखरा स्वैग का सिटी सेंटर होशियारपुर में भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय किशन सिंह रोड़ी ने किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री विजय सांपला, पूर्व कैबिनेट मंत्री तिक्शन सूद और समाजसेवी परमजीत सिंह सचदेवा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

एग्जीबिशन में पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों से आए नामी ब्रांड्स और एक्जीबिटर्स ने फैशन, ज्वैलरी, फूड, ऑटोमोबाइल व लाइफस्टाइल से जुड़े स्टॉल लगाए, जिससे खरीदारों को एक ही छत के नीचे कई विकल्प मिले। आर.जे. क्रिएटर्स के कोऑर्डिनेटर डॉ. पंकज शिव व रेनू कंवर ने बताया कि पहले दिन गुरु साहिबानों को समर्पित कार्यक्रम और चार साहिबजादे फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया गया। आयोजन को लेकर शहरवासियों में भारी उत्साह देखने को मिला।

एलपीयू जालंधर के छात्र प्रशांत वीर को सीएसके ने 14.20 करोड़ में खरीदा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर के बीएससी दूसरे साल के छात्र प्रशांत वीर ने इतिहास रच दिया है, क्योंकि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। अमेठी के एक किसान के बेटे वीर ने 2017 में अपने करियर की शुरूआत की और तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एलपीयू ने उन्हें 100 प्रतिशत फीस माफ की और यह सुनिश्चित किया कि उनके क्रिकेट करियर को जितना हो सके उतना बेहतर बनाया जाए। वह यूपी यू-23 में प्लेयर ऑफ द सीरीज और यूपी टी20 टूनार्मेंट में प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट भी रहे। सीएसके में, वह फ्रेंचाइजी के दिग्गज रवींद्र जडेजा की जगह लेंगे, जिन्हें टीम के साथ 13 सीजन के बाद इस साल की नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स को ट्रेड कर दिया गया था। जडेजा के 2354 रन और 152 विकेट ने एक ऐसा बेंचमार्क सेट किया है जिसे हासिल करना बहुत मुश्किल है, और वीर कहते हैं कि वह ऐसी तुलनाओं से दूर रहेंगे। ऑलराउंडर ने समझाया, अगर मैं इन चीजों के बारे में सोचूंगा, तो मुझे लगेगा कि मैं पीछे रह जाऊंगा। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। इतनी बड़ी रकम मिलना भारी पड़ सकता है। लेकिन यूपी टीम के सीनियर सदस्यों, जिसमें रिंकू सिंह और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, ने उनके युवा कंधों पर हाथ रखा और उन्हें सलाह दी कि पैसे पर ध्यान न दें।

प्रैक्टिस कर रहे हैं वीर...

वीर अभी भी सीख रहे हैं, उनमें साफ तौर पर काबिलियत है लेकिन वह अभी भी एलीट क्रिकेट की मांगों के हिसाब से खुद को ढाल रहे हैं। सीएसके के अनुभवी कोचिंग ग्रुप, और खासकर एम.एस. धोनी का प्रभाव, उस वादे को कुछ और ठोस बनाने में निर्णायक हो सकता है। वीर का गौरव का पल तब आया जब यूपी के खिलाड़ी टीम बस में यात्रा कर रहे थे। एसएंडसी ट्रेनर इसरार अजीम द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में उन्हें शरमाते हुए मुस्कुराते हुए कहते देखा गया, मजा आ रहा है भैया।

आठ दिनों में खेले सात मैच... उत्तर प्रदेश (यूपी) के क्रिकेटर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और पुरुषों की अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी एलीट में भाग लेने के लिए कोलकाता और मुंबई के बीच यात्रा करते रहे और आठ दिनों में सात मैच खेले। दोनों टूनार्मेंट में उन्होंने 229 रन बनाए और 15 विकेट लिए। एलपीयू में, इसके चांसलर अशोक मित्तल ने कहा, यह एलपीयू के लिए जश्न का समय है कि हमारी यूनिवर्सिटी के एक स्टूडेंट को सीएसके ने IPL के लिए चुना है।

लुधियाना में व्यूनाउ के मालिक और पत्नी पर 60.22 लाख की ठगी मारने का मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। व्यूनाउ कंपनी के मालिक और उसकी पत्नी ने लुधियाना के एक व्यक्ति को पैसे दोगुने करने का लालच देकर 60.22 लाख रुपए की ठगी मार ली। जिसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। थाना डिवीजन नंबर सात की पुलिस ने सेक्टर-32ए के शाम की शिकायत पर व्यूनाउ के सुखविंदर सिंह खरौड़ और डिंपल खरौड़ और जीबाईट रैंटल प्लैनेट बिजनेस पार्क के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी सुखविंदर सिंह खरौड़ और डिंपल खरौड़ व्यूनाउ मार्केटिंग सर्विस के मालिक है। उनकी ओर से शिकायतकर्ता और उनके परिवार को इस कंपनी में पैसे इन्वेस्ट करके दोगुने करने का लालच दिया। जिसके बाद कई तरह के सपने दिखाए। इसी झांसे में फंसाकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से 60.22 लाख रुपए ले लिए। लेकिन बाद में न तो कोई पेमेंट वापिस की और न ही पैसे दोगुने किए।

आरोपी सुखविंदर खरौड़

VueNow

CICU की R&D और अकलैब्स ने खींचा PSAIMA का ध्यान, तकनीकी सहयोग की नई राह खुली

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। औद्योगिक नवाचार और तकनीक आधारित विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब स्टेट एग्रीकल्चरल इम्प्लीमेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (PSAIMA) के सदस्यों ने चैंबर ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल अंडरटेकिंग्स के अत्याधुनिक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान सदस्यों ने उक्लव की जेआरएस अत्याधुनिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) फैसिलिटी, मेट्रो टायर की iHub–AwaDH लैब और उक्लव की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) लैब का अवलोकन किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य PSAIMA सदस्यों को आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान क्षमताओं और नवाचार आधारित समाधानों से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना था, जिससे उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई सेक्टर, की उत्पादकता, गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर डॉ. तलविंदर सिंह बेदी, मैनेजरझ्ऑपरेशंस एंड एडमिनिस्ट्रेशन, उक्लव ने प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि जेआरएस आरएंडडी फैसिलिटी उत्पाद डिजाइन, परीक्षण, सत्यापन और प्रक्रिया अनुकूलन में उद्योगों को कैसे सहयोग देती है। वहीं iHub–AwaDH लैब उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सेतु बनकर नवाचार, प्रोटोटाइपिंग और उन्नत इंजीनियरिंग समाधानों को बढ़ावा देती है।

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत 4.77 करोड़ जारी, 2.62 लाख से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा का संबल

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार वंचित और पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर ऐतिहासिक कदम उठा रही है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी छात्र केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी दी कि अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत अब तक 4.77 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत पूरे राज्य से 2.62 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जो सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर बढ़ते भरोसे को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना हेतु 245 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2.37 लाख से अधिक विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। कैबिनेट मंत्री ने दोहराया कि मान सरकार के लिए शिक्षा कोई योजना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की मजबूत नींव है। सरकार हर उस विद्यार्थी के साथ खड़ी है जो शिक्षा के बल पर अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहता है।

नगर निगम शहर के साथ लगते 110 गांवों को करेगा अपने दायरे में शामिल

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। नगर निगम की शुक्रवार हाउस मीटिंग हुई। इस मीटिंग में नगर निगम की और से शहर के साथ लगते 110 गांवों को अपने दायरे में शामिल करने का प्रस्ताव डाला था। जिसे निगम हाउस में पास कर दिया गया है। जिसके चलते अब शहर के साथ लगते 110 गांव निगम लिमिट में शामिल होंगे। वहीं बताया जा रहा है कि इन गांवों को निगम के अधीन लाने में अगले दो साल का समय लगेगा। जिसकी दस्तावेजी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि इन गांवों को निगम में लाने का मुख्य मकसद वहां डेवलपमेंट करना है। इन क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व अधिक है और प्रशासन को प्राप्त संसाधन पर्याप्त नहीं हैं।

यह गावं होंगे शामिल

लुधियाना नगर निगम में रज्जोवाल, तलवाड़ा, अयाली खुर्द, अयाली कलां, फतेहपुर अवाना, बग्गा खुर्द, बाड़ेवाल डोगरा, लादियां कलां, लादियां खुर्द, बारनहारा, प्रताप सिंह वाला, बल्लोके, चूहड़पुर, हैबोवाल कलां, जस्सियां, हुसैनपुर खुर्द, राजपुरा डोगरां, महल रख, भट्टियां बेट, भौरा, तरफ कारबारा, बहादुरके, नूरवाला, कनेजा, काकोवाल, बाजड़ा, मेहरबान, जागीरपुर, बोदा, कक्का, धौला, खासी कलां, ताजपुर बेट, भामियां कलां, भामियां खुर्द, कुलियेवाल, मुंडियां खुर्द, मुंडियां कलां, भोलापुर, साहाबाना, रामगढ़, जंडियाली, कोटला, मंगली ऊंची, मंगली नीची, नंदपुरा, पावा, गोबिंदगढ़, जुगियाना, खाकट, धरौड़, मजारा, बिलगा, उमेदपुर, नट्ट, हरनामपुरा, गरीबनगरी, जसपाल बांगर, ब्राह्मण माजरा, कंगनवाल, संगोवाल, खानपुर, डंगोरा, जरखड़, रनियां, बुलारा, गिल, माणकवाल, महमूदपुरा, धांधरा, खेड़ी, झमेड़ी, बीहला, आलमगीर, जस्सोवाल, हिमायुंपुरा, दोलों खुर्द, दोलों कलां, जोधा, छोकरा, पमाल, पमाली, फुलांवाल, दाद, ठक्करवाल, थरीके, झंडे, ललतों खुर्द, ललतों कलां, शहजाद, मंसूरा, रतन, खंडूर, रुड़का, बद्दोवाल, हसनपुर, गहौर, भनोहड़, दाखा, ईसेवाल, करीमपुरा, बैंस, बिरमी, बसैमी, नूरपुर बेट, देतवाल, झम्मट, मलकपुर, जैनपुर और बग्गा कलां को नगर निगम की सीमा में शामिल होंगे।

असेंबली चुनाव में कादियानी जमात में शामिल होने वालों का बॉयकॉट किया जाएगा - शाही इमाम पंजाब

सुनील पांडेय

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। भारत की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाली पार्टी मजलिस अहरार इस्लाम हिंद के नेशनल प्रेसिडेंट और पंजाब के शाही इमाम मौलाना मुहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी ने शनिवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए फतवा जारी किया कि पंजाब असेंबली चुनाव में कादियानी जमात में शामिल होने वाले पॉलिटिकल पार्टियों के नेताओं का बॉयकॉट किया जाएगा। शाही इमाम पंजाब ने कहा कि यह साफ है कि ब्रिटिश राज के दौरान अंग्रेजों ने भारत की आजादी की लड़ाई में मुसलमानों को आजादी की लड़ाई लड़ने से रोकने की साज़िश के तहत मिर्जा गुलाम कादियानी के जरिए यह जमात शुरू की थी। मिर्जा कादियानी ने हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम) की जगह खुद को पैगंबर बताया था, जिसे मुसलमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकते। शाही इमाम ने कहा कि कांग्रेस और कुछ दूसरी पॉलिटिकल पार्टियों के नेता कादियानी जमात के सालाना जलसे में शामिल हुए हैं। शाही इमाम पंजाब ने कहा कि वह सभी धर्मों के धार्मिक नेताओं से भी रिक्वेस्ट करते हैं कि वे कादियानी जमात के सालाना जलसे में शामिल न हों क्योंकि यह जमात इस्लाम के खिलाफ है।

नगर निगम का नहीं रहा लोगों में डर

सराभा नगर रिहायशी एरिया में बन रहे इललीगल होटल को तीसरी बार किया सील, देर रात मालिक के करिंदे ने फिर तोड़ी सीलें

सील तोड़ने के बाद रोष व्याप्त जानकारी देते इलाकावासी, बिल्डिंग की सील तोड़ने वाला व्यक्ति

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। सराभा नगर के ब्लॉक-एच में रिहायशी एरिया में इललीगल तरीके से बन रहे होटल को शनिवार तीसरी बार नगर निगम द्वारा सील कर दिया गया है। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि जब जब निगम द्वारा होटल सील किया गया, तब तब होटल मालिक द्वारा खुद ही सीलें तोड़ दी गई। ऐसा ही कुछ शनिवार देखने को मिला। सराभा नगर एच ब्लॉक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेजिडेंट अशोक जैन अनुसार नगर निगम अफसरों द्वारा शनिवार दोपहर को होटल सील किया गया। लेकिन कुछ घंटों बाद ही मालिक ने तीसरी बार भी सील तोड़ दी। यहीं नहीं, जब इलाके के लोगों ने विरोध किया तो मालिक ने उनके साथ भी जमकर बहसबाजी की और एसोसिएशन के एक पदाधिकारी का मोबाइल तक छीन लिया। यह होटल बब्बू टक्कर नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। इस मामले को देखकर लगता है कि नगर निगम और उनके द्वारा लगाई सरकारी सील का अब लोगों में कोई डर नहीं रह गया है। जिसका अहम कारण निगम के ही कुछ भ्रष्ट अफसर बताए जाते हैं।

निगम अफसरों द्वारा सलाह देने की चर्चाए...चर्चा है कि होटल मालिक को निगम के ही कुछ भ्रष्ट अफसरों द्वारा सीलें तोड़ने की सलाह दी जा रही है। चर्चा है कि अफसरों द्वारा होटल मालिक के साथ सेटिंग कर रखी है। जिसके चलते वह सील तोड़ देता है और निगम द्वारा उस पर सरकारी काम में बांधा डालने की एफआईआर दर्ज करवाने की जगह शांत होकर बैठ जाती है। भ्रष्ट अफसरों द्वारा मालिक को कहा गया है कि वह जितनी मर्जी सीलें तोड़े, लेकिन उस पर पर्चा दर्ज नहीं होगा। इसी के चलते मालिक द्वारा जमकर नियम तोड़े जा रहे हैं।

30 फीट सड़क पर कमर्शियल निर्माण हो ही नहीं सकता...वहीं बता दें कि होटल के आगे 30 फीट सड़क है। कारपोरेशन नियमों के मुताबिक अगर 60 फीट की सड़क है, तो ही उसे कमर्शियल घोषित कर वहां कमर्शियल निर्माण किया जा सकता है। ऐसे में होटल के आगे सड़क 30 फीट है। जिसके चलते किसी भी हालात में वहां निर्माण नहीं हो सकता। इसके अलावा सराभा नगर एच ब्लॉक रिहायशी एरिया है और टाउन प्लानिंग स्कीम के अधीन है। जिसके चलते वहां कमर्शियल व इंडस्ट्रियल निर्माण किसी भी नियम के तहत नहीं हो सकता।

कोर्ट के स्टे पर भी टूटी सीलें और की कंस्ट्रक्शन...सराभा नगर एच ब्लॉक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेजिडेंट अशोक जैन अनुसार निगम ने छह महीने पहले सील लगाई। जिसे मालिक बब्बू टक्कर ने तोड़ दिया। फिर एटीपी मोहन सिंह ने दोबारा सील लगाई, तो फिर तोड़ दी। फिर एसोसिएशन के सदस्य कोर्ट पहुंचे और स्टे लिया। लेकिन होटल मालिक ने स्टे के बावजूद कंस्ट्रक्शन जारी रखी और निगम अफसर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। अब अशोक जैन द्वारा पूरा मामला निगम कमिश्नर के ध्यान में लाया गया। कमिश्नर के आदेशों पर बिल्डिंग तीसरी बार सील हुई और कुछ घंटे बाद सील फिर तोड़ दी गई।

निगम अफसर खुद माने सील टूटी, फिर भी पर्चा नहीं कराया...हैरानी की बात तो यह है कि सरकार द्वारा लगाई गई सील को अगर कोई आम व्यक्ति तोड़ दे, तो निगम अफसर तुरंत उस पर एक्शन ले लेते हैं। लेकिन यहां पर दो बार सील तोड़ दी गई और एक बार भी एफआईआर नहीं करवाई गई। हालांकि एटीपी मोहन सिंह और इंस्पेक्टर तरुण कुमार को सील तोड़ने की अच्छे से जानकारी है। जिसकी एक वीडियो भी सामने आई है। जहां दूसरी बार सीलिंग करते हुए एटीपी मोहन सिंह खुद मान रहे हैं कि सील टूटी है। सील टूटने का पता है, लेकिन कार्रवाई नहीं करवाई।

करप्शन के आरोप में विजिलेंस एसएसपी सस्पेंड, अमृतसर में 55 करोड़ का टेंडर मामला, मजीठिया की अरेस्ट वाली टीम के हेड रह चुके

पंजाब/यूटर्न/27 दिसंबर। अमृतसर में तैनात विजिलेंस के रख लखबीर सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंस्ट्रक्शन कंपनी के बाद किसी सीनियर क्लर अफसर की शिकायत के बाद यह कार्रवाई हुई है। यह मामला 55 करोड़ के डेवलपमेंट के काम से जुड़ा बताया जा रहा है। जिसमें जांच पर सवाल उठ रहे थे। हालांकि सरकार की तरफ से अभी तक सस्पेंशन लेकर कोई औपचारिक आदेश सार्वजनिक नहीं हुए हैं। लखबीर सिंह को इसी साल अप्रैल महीने में एसएसपी विजिलेंस लगाया गया था। खास बात ये है कि 25 जून 2025 को बिक्रम मजीठिया को गिरफ्तार करने वाली टीम के प्रमुख लखबीर सिंह ही थे।

हाई टेंशन तार लगने से युवक की मौत

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। संगोवाल इलाके में एक निर्माण स्थल पर लेंटर डालने गए युवक की हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान सजीत कुमार शिमलापुरी दशहरा ग्राउंड निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सजीत लेंटर वाली मशीन चलाकर अपने परिवार का भरणपोषण करता था। लोगों का कहना है कि सजीत अपनी मशीन चला रहा था। तभी उनकी मशीन हाई टेंशन तार के चपेट में आ गई। जिससे सजित को करंट लगा और मौके पर ही मौत हो गई। साथ में काम करने वाले लोग जब तक सजीत को अस्पताल लेके गए तब तक सजीत ने दम तोड़ दिया था। सजीत की पत्नी मनीषा तीन महीने की गर्भवती है और सजीत के दो साल का बेटा भी है। लोगों का कहना है कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। हालाकि सजीत के घर में मातम पसरा हुआ है और उसकी पत्नी मनीषा सदमे में है। स्थानीय लोगो का यह भी कहना है की अगर ठेकरदार द्वारा पहले ही सुरक्षा व्यवस्था के साथ लेंटर डाला जाता तो यह घटना नहीं घटित होती। ए.एस.आई. सुभाष राज ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निगम सदन में गूंजी अवारा कुत्तों की समस्या, पार्षद बग्गा ने समाधान की उठाई मांग

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। निगम सदन की बैठक में पार्षद अमन बग्गा ने शहर में बढ़ती अवारा कुत्तों की समस्या को गंभीरता से उठाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी एनिमल बर्थ कंट्रोल के आदेश की प्रति सदन में दिखाते हुए कहा कि माननीय अदालत ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल, अस्पताल सहित गली-मोहल्लों जैसे सार्वजनिक स्थलों से अवारा कुत्तों को हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पार्षद बग्गा ने शहर के विभिन्न इलाकों में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने निगम कमिश्नर से आग्रह किया कि प्राथमिकता के आधार पर सार्वजनिक स्थलों से अवारा कुत्तों को हटाने की व्यवस्था गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लागू की जाए।

Celebrate your Birthday or Anniversary with UTURN TIME in association with

Hot Breads

0161-4603333, 5012222

2 LUCKY WINNERS WILL GET CAKE WORTH OF ₹1200 EACH

*WINNERS WILL BE DECIDED THROUGH LUCKY DRAW *T&C

FOR MORE DETAILS, CALL: 99882-20063, 98142-95372
janhetaishi@gmail.com, hetaishinews@gmail.com

All rights about Distribution & Offer will be reserved by U-TURN TIME MANAGEMENT Only.

मोहाली में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, पुलिस का मेगा ऑपरेशन; 15 आरोपी गिरफ्तार, दर्जनों वाहन सीज

मोहाली/यूटर्न/27 दिसंबर। ।अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मोहाली पुलिस ने सोहाना, माजरी और डेराबस्सी इलाकों में एक साथ बड़ी कार्रवाई की। इस मेगा ऑपरेशन के दौरान खनन माफिया से जुड़े 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि भारी मात्रा में मशीनरी और वाहन जब्त किए गए।

पुलिस कार्रवाई में एक जेसीबी मशीन, 14 रेत से लदे टिपर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गई। इसके साथ ही अवैध खनन से जुड़े मामलों में 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं। जब्त खनन सामग्री का मूल्यांकन अब खनन विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में केवल वाहन चालकों तक सीमित न रहते हुए क्रशर मालिकों और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है ताकि अवैध खनन के पूरे नेटवर्क को उजागर किया जा सके।

इस विशेष अभियान का नेतृत्व एसएसपी मोहाली ने किया। उनके साथ तीन एसपी, चार डीएसपी, सात थाना प्रभारी और करीब 250 पुलिसकर्मी मौके पर तैनात रहे। एक साथ कई इलाकों में दबिश देकर पुलिस ने माफिया को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। प्राकृतिक संसाधनों की लूट और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पुलिस ने दो टूक कहा है कि अवैध खनन में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

DATE & TIME	24K Gold Rate (10 GM)	Silver Rate (1 KG)
27/12/2025 5:00 Pm	₹1,41,370	₹2,40,100

*T&C Apply

ड्यूटी पर शराब के नशे में पकड़े गए पुलिसकर्मियों को हाईकोर्ट से झटका, सजा में कोई राहत नहीं

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पीसीआर ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में पाए गए चंडीगढ़ पुलिस के दो कर्मचारियों को बड़ी राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने दोनों की सजा को सही ठहराते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी और स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी तरह के हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।यह मामला जनवरी 2003 का है, जब हेड कॉन्स्टेबल राजिंदर सिंह और कॉन्स्टेबल हरवंत सिंह पीजीआईएमईआर के पास पीसीआर ड्यूटी पर तैनात थे। 30 जनवरी 2003 की रात तत्कालीन डीएसपी ओम प्रकाश को वायरलेस पर सूचना मिली कि पीसीआर में तैनात पुलिसकर्मी शराब के नशे में हैं। सूचना के बाद डीएसपी ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें दोनों पुलिसकर्मी नशे की हालत में पाए गए।अभियोजन के अनुसार पुलिस वाहन से शराब की गंध वाला एक गिलास और 180 एमएल की शराब की बोतल भी बरामद हुई थी। इसके आधार पर सेक्टर-11 थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 68 के तहत एफआईआर दर्ज की।

मामले की सुनवाई के बाद ट्रायल कोर्ट ने 14 जनवरी 2006 को दोनों को दोषी ठहराया था। हालांकि अदालत ने उन्हें अच्छे आचरण की शर्त पर प्रोबेशन पर रिहा कर दिया था। इसके खिलाफ दायर अपील को सत्र न्यायालय ने फरवरी 2009 में खारिज कर दिया। इसके बाद आरोपितों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

जस्टिस सूर्य प्रताप सिंह ने पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। अदालत ने आरोपितों की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि मामले में कोई स्वतंत्र गवाह नहीं था। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों की गवाही को केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता कि वे पुलिस से जुड़े हैं। यदि गवाही विश्वसनीय और सुसंगत है, तो उस पर भरोसा किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्य स्पष्ट, संगत और भरोसेमंद हैं। साथ ही यह भी कहा कि आरोपितों को पहले ही प्रोबेशन का लाभ दिया जा चुका है और सजा न्यूनतम है। इन तथ्यों के आधार पर अदालत ने दोनों पुलिसकर्मियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ अदालत ने यह संदेश भी दिया है कि ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता और कानून उल्लंघन को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह पुलिसकर्मी ही क्यों न हों।

पीजीआई एडवांस आई सेंटर में ऑनलाइन ओपीडी व्यवस्था बेअसर, अपॉइंटमेंट के बावजूद मरीजों को घंटों इंतजार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। मरीजों को लंबी कतारों और भीड़ से राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई पीजीआई की ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण व्यवस्था शुक्रवार को एडवांस आई सेंटर में पूरी तरह लड़खड़ाती नजर आई। हालात यह रहे कि ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेकर पहुंचे मरीजों को भी सामान्य ओपीडी की तरह 5 से 7 घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

निर्धारित समय पर अस्पताल पहुंचने के बावजूद मरीजों को अलग कतार या प्राथमिकता नहीं मिली। डॉक्टर के कमरे के बाहर मरीज भूखे-प्यासे खड़े रहे, जिससे ऑनलाइन सिस्टम के दावों पर सवाल खड़े हो गए।

डॉक्टरों की कमी ने बढ़ाई परेशानी...विंटर वेकेशन के चलते डॉक्टरों की भारी कमी साफ दिखाई दी। एडवांस आई सेंटर की ओपीडी में सैकड़ों मरीजों की जिम्मेदारी एक ही सीनियर रेजिडेंट पर थी। वही डॉक्टर मरीजों का चेकअप, कंप्यूटर एंट्री और इमरजेंसी मामलों को भी संभालते रहे।

नतीजतन, ओपीडी का काम देर शाम करीब 6 बजे तक चला।

बुजुर्ग और बीमार मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित...केस-1: पंचकूला निवासी 70 वर्षीय ओमप्रकाश मोतियाबिंद सर्जरी के बाद फॉलोअप के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण कराने के बावजूद उन्हें सुबह साढ़े छह बजे से लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ा। भीड़ में धक्का लगने से उनके पैर का दर्द और बढ़ गया।

केस-2: लुधियाना से आई 45 वर्षीय सुनीता, जो डायबिटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित हैं, भूखे रहने के कारण चक्कर खाकर बैठने को मजबूर हो गईं। परिजनों का कहना है कि न तो बैठने की व्यवस्था थी और न ही बुजुर्ग व गंभीर मरीजों के लिए कोई प्राथमिकता।

मरीजों का आरोप है कि ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण के लिए अलग काउंटर या कतारें स्पष्ट नहीं थीं। सीमित काउंटरों पर सभी मरीजों की एक साथ एंट्री की जा रही थी। कई लोगों को यह तक नहीं बताया गया कि ऑनलाइन पंजीकरण के बाद कहां रिपोर्ट करना है। कुछ स्टाफ ने यह भी कहा कि फिलहाल ऑनलाइन व्यवस्था बंद कर दी गई है।

पीजीआई प्रशासन के अनुसार संस्थान में 52 में से 27 विभागों में ऑनलाइन प्री-रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी जा रही है और 24 से अधिक विशेष क्लीनिक संचालित हो रहे हैं। दावा है कि इससे ओपीडी की भीड़ कम हो रही है, लेकिन एडवांस आई सेंटर में हालात इसके उलट नजर आए।पीजीआई की वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले मरीजों को तय समय पर अलग काउंटर पर रिपोर्ट करना होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था अव्यवस्था की भेंट चढ़ती दिखी।

पीजीआई प्रवक्ता का कहना है कि मरीजों की सुविधा के लिए 25 से अधिक विभागों में ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है और अलग काउंटर बनाए गए हैं ताकि इंतजार न करना पड़े।

हालांकि शुक्रवार को एडवांस आई सेंटर की ओपीडी में मरीजों का अनुभव इन दावों से अलग नजर आया।अब सवाल यह है कि क्या पीजीआई प्रशासन इस अव्यवस्था से सबक लेकर ऑनलाइन सिस्टम को वास्तव में मरीजों के लिए राहतकारी बना पाएगा, या फिर यह व्यवस्था केवल कागजी दावों तक ही सीमित रह जाएगी।

पंचकूला में तेंदुए की दहशत, सेक्टर-6 में घर के पास दिखने से हड़कंप; वन्यजीव विभाग अलर्ट मोड पर

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/27 दिसंबर। शहर के सेक्टर-6 में एक रिहायशी इलाके के पास तेंदुआ देखे जाने की सूचना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही सूचना वन्यजीव विभाग को मिली, टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर सर्च व रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।जानकारी के अनुसार तेंदुआ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ है। वन्यजीव विभाग की टीम इन फुटेज को खंगाल रही है, ताकि तेंदुए की मूवमेंट ट्रैक की जा सके और उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ने की रणनीति बनाई जा सके।तेंदुए की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के लोगों को घर से बाहर न निकलने

की सलाह दी गई है। एहतियातन क्षेत्र में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त गश्त बढ़ा दी गई है। टीम जंगल और रिहायशी इलाकों के संपर्क वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रखे हुए है।

वन्यजीव विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तेंदुआ संभवतः जंगल से भटककर रिहायशी इलाके में पहुंचा है। टीम सीसीटीवी फुटेज, पैरों के निशान और स्थानीय इनपुट के आधार पर उसकी लोकेशन का पता लगाने में जुटी है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम भी तैनात की गई है।घटना के बाद सेक्टर-6 और आसपास के इलाकों में डर का माहौल है। लोग बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर रखने को मजबूर हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और किसी भी संदिग्ध मूवमेंट की सूचना तुरंत देने की अपील की है।वन्यजीव विभाग ने भरोसा दिलाया है कि तेंदुए को बिना नुकसान पहुंचाए जल्द रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नशा और अपराध पर मान सरकार का सख्त वार, 85 हजार से ज्यादा तस्कर गिरफ्त में; गुंडागर्दी पर जीरो टॉलरेंस

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। पंजाब को नशा और अपराध मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा संदेश दिया है। पंजाब पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि राज्य में नशा तस्करी और गुंडागर्दी के लिए अब कोई जगह नहीं है।

ड्रग नेटवर्क पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

बैठक के दौरान साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मान सरकार के कार्यकाल में 85,418 से अधिक नशा तस्करों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि पंजाब पुलिस जमीनी स्तर पर सक्रिय रहते हुए नशा माफिया की कमर तोड़ने में लगी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छोटे तस्करों के साथ-साथ ड्रग सिंडिकेट के सरगनाओं पर भी शिकंजा और कसने की जरूरत है।

NDPS मामलों में सजा की दर 88 प्रतिशत

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि दोषियों को सजा दिलाने में भी बड़ी सफलता मिली है। एनडीपीएस मामलों में दोषसिद्धि दर 88 प्रतिशत तक पहुंचना पुलिस की जांच और कानूनी पैरवी में सुधार को दशार्ता है। इससे अपराधियों में कानून का डर बढ़ा है।

गुंडागर्दी पर सीधी कार्रवाई

राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार ने गुंडागर्दी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से अब तक 916 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने साफ कहा कि कानून को चुनौती देने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सुरक्षित पंजाब का रोडमैप

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में अपराध रोकथाम की रणनीतियों को और मजबूत किया जाए। नशा तस्करी, संगठित अपराध और हिंसा से जुड़े मामलों में त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस महानिदेशक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार का उद्देश्य पंजाब के हर नागरिक को भयमुक्त और सुरक्षित माहौल देना है, ताकि लोग चैन से अपना जीवन जी सकें।

साइबर ठग गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, 52 लाख की ठगी मामले में लुधियाना से आरोपी गिरफ्तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। यूटी चंडीगढ़ साइबर क्राइम पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। साइबर क्राइम थाना, चंडीगढ़ ने 52 लाख रुपये की ठगी के मामले में एक साइबर ठग को लुधियाना (पंजाब) से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एफआईआर नंबर 142, दिनांक 03.11.2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में की गई है।यह कार्रवाई एसपी साइबर क्राइम यूटी चंडीगढ़, आईपीएस गीतांजलि खंडेलवाल के नेतृत्व में, डीएसपी ए. वेंकटेश के मार्गदर्शन और इंस्पेक्टर इराम रिजवी, एसएचओ साइबर क्राइम थाना सेक्टर-17 की निगरानी में

की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान यदुनंदन शर्मा के रूप में हुई है।

कैसे हुआ 52 लाख का साइबर फ्रॉड

यह मामला सेक्टर-45, चंडीगढ़ निवासी एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत पर दर्ज किया गया था। पीड़ित को 27 अक्टूबर 2025 को एक व्हाट्सऐप कॉल आई, जिसमें कॉल करने वालों ने खुद को पहले ट्राई और बाद में प्रवर्तन निदेशालय का अधिकारी बताया। ठगों ने दावा किया कि पीड़ित का मोबाइल नंबर मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल है और उसके खिलाफ मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज है। ठगों ने पीड़ित को 27 अक्टूबर से 12 नवंबर 2025 तक लगातार फर्जी वीडियो सर्विलांस में रखा। इस दौरान उसे नकली सरकारी दस्तावेज, फर्जी कोर्ट रूम और गिरफ्तारी की धमकियां दिखाई गईं। व्हाट्सऐप कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए एक अन्य ठग को ईडी डायरेक्टर बताकर भी डराया गया। लगातार मानसिक दबाव में आकर पीड़ित ने 52 लाख रुपये ठगों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। जांच के दौरान पुलिस ने संबंधित बैंक खातों की केवाईसी जानकारी जुटाई। साइबर पोर्टल के जरिए करीब 28 लाख रुपये होल्ड करा लिए गए। शेष राशि कई खातों में ट्रांसफर पाई गई। इनमें से 5 लाख रुपये आरोपी यदुनंदन शर्मा के बैंक खाते में पहुंचे, जिसे उसने सेल्फ चेक के जरिए निकाल लिया।
इसके बाद पुलिस टीम ने लुधियाना में दबिश देकर 25 दिसंबर 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

साइबर पुलिस की जनता से अपील

साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है :

- कोई भी पुलिस, सीबीआई या ईडी अधिकारी फोन या व्हाट्सऐप पर पैसे या निजी जानकारी नहीं मांगता।
- वीडियो कॉल पर दिखाए जाने वाले फर्जी गिरफ्तारी वारंट या अधिकारी पूरी तरह धोखाधड़ी होते हैं।
- गिरफ्तारी से बचाने या जांच के नाम पर कभी पैसे ट्रांसफर न करें।
- अपनी पहचान से जुड़े दस्तावेज केवल अधिकृत संस्थाओं को ही दें।
- किसी को अपना सिम कार्ड या बैंक खाता किराए पर देना गंभीर कानूनी मुसीबत में डाल सकता है।
- अपने नाम पर जारी सिम कार्ड की जानकारी TAFCOP पोर्टल से जांचें और संदिग्ध नंबरों की तुरंत शिकायत करें।
- व्हाट्सऐप में अनजान कॉल्स को ब्लॉक करने की प्राइवेसी सेटिंग सक्रिय रखें।
- आधार बायोमेट्रिक लॉक कर रखें।
- किसी भी संदिग्ध कॉल की पुष्टि स्थानीय पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर करें।

चंडीगढ़ साइबर क्राइम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और आम लोगों की मेहनत की कमाई को लूटने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मनरेगा हटाने के विरोध में पंजाब, राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त लड़ाई की तैयारी

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर प्रस्तावित जी राम जी एक्ट लाने की तैयारी के खिलाफ पंजाब सरकार आक्रामक रुख अपनाने जा रही है। पंजाब न केवल इस कानून का विरोध करेगा, बल्कि अन्य राज्यों को साथ जोड़कर केंद्र के खिलाफ संयुक्त मोर्चा खोलने की रणनीति पर भी काम शुरू कर दिया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि यह कानून राज्यों की आर्थिक सेहत को कमजोर करेगा और इसका सबसे अधिक असर गरीब मजदूरों व अनुसूचित जाति वर्ग पर पड़ेगा।

मंत्री सौंद ने बताया कि वह देशभर के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्रियों को पत्र लिखकर जी राम जी एक्ट के संभावित दुष्प्रभावों से अवगत कराएंगे। साथ ही पंजाब में एक संयुक्त बैठक बुलाने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा, ताकि केंद्र सरकार पर सामूहिक दबाव बनाया जा सके। उन्होंने इस कानून को ह्लमजदूरों के लिए नया काला कानूनह्व बताते हुए कहा कि जैसे पहले खेती के लिए तीन काले कानून लाए गए थे, वैसे ही अब मजदूरों के अधिकारों पर चोट की जा रही है।

उन्होंने कहा कि भले ही नए एक्ट में 125 दिन रोजगार का दावा किया जा रहा है, लेकिन हकीकत में राष्ट्रीय औसत महज 45 दिन का ही रहा है। नए कानून में बेरोजगारी भत्ता समाप्त कर दिया गया है और फंड की जिम्मेदारी राज्यों पर डाल दी गई है। पंजाब सरकार का आकलन है कि 60:40 फंड शेयरिंग फॉर्मूले के कारण राज्य को करीब 600 करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि पंजाब देश का पहला राज्य है जिसने जी राम जी एक्ट का औपचारिक विरोध किया है। 30 दिसंबर को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर इसके खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जाएगा और इसे राजनीतिक व संवैधानिक स्तर पर चुनौती दी जाएगी।

डड्डूमाजरा में युवक ने लगाई फांसी, पारिवारिक तनाव में था; कमरे में मिला शव

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। डड्डूमाजरा कॉलोनी में एक 34 वर्षीय युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कुलदीप उर्फ काका के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार कुलदीप पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में चल रहा था और सामाजिक रूप से भी खुद को अलग-थलग कर लिया था।परिवार के सदस्यों ने बताया कि पत्नी से तलाक के बाद कुलदीप की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई थी। वह अधिकतर समय कमरे में ही रहता था और बाहर निकलना लगभग बंद कर दिया था। कई दिनों तक कोई हलचल न होने पर परिजनों को शक हुआ। जब वे ऊपर गए तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांककर देखने पर कुलदीप का शव पंखे से लटका हुआ दिखाई दिया।घटना की सूचना तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच अधिकारी के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

मृतक के छोटे भाई ने पुलिस को बताया कि तलाक के बाद कुलदीप तनाव में रहने लगा था और कभी-कभार शराब का सेवन भी करने लगा था। हालांकि पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।फिलहाल पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

एनओसी की कमी से मनीमाजरा में हजारों परिवारों का जीवन ठप!

मनीमाजरा (चंडीगढ़)/यूटर्न/27 दिसंबर। मनीमाजरा और पिपली वाला टाउन के निवासियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मकानों की एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी न होने के कारण हजारों परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ऑल मनीमाजरा वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रधान एस एस परवाना, मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय और पिपली वाला टाउन व्यापार मंडल के वरिष्ठ नेता

मोहनलाल पम्फेर ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है।

मुख्य समस्याएँ:

निर्माण कार्य ठप: एनओसी न मिलने से मकानों की मरम्मत, नवीनीकरण और अन्य निर्माण कार्य रुक गए हैं।

संपत्ति हस्तांतरण रुकावट: मनीमाजरा में संपत्ति खरीद-बिक्री की प्रक्रिया ठप होने से हजारों परिवारों के वित्तीय हित प्रभावित।

बैंक ऋण में अड़चन: मकान मालिक एनओसी न मिलने के कारण होम लोन और अन्य संपत्ति-आधारित ऋण नहीं ले पा रहे।

निवासियों का रोष: राजबीर सिंह भारतीय ने कहा, मनीमाजरा और चंडीगढ़ प्रशासन की उदासीनता और लचर नीतियों का खामियाजा आम नागरिक भुगत रहे हैं। यह सीधे-साधे नागरिकों के संपत्ति अधिकार का उल्लंघन है।सुभाष धीमान ने कहा, स्प्रशासन की ओर से एनओसी जारी न करने का कोई ठोस कारण नहीं बताया गया। हमारी मांग है कि सभी वैध आवेदकों को तय समय सीमा में एनओसी जारी किया जाए।

निवासियों की मांगें: लंबित और नए एनओसी आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर 10-15 दिन में निपटाया जाए। भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए स्पष्ट और पारदर्शी नीति बनाई जाए और मनीमाजरा में एक स्थायी अधिकारी तैनात किया जाए।

राम नाम अखण्ड जप से दूर होते जीवन के कष्ट

संत अश्वनी बेदी जी

माँ रेखा बेदी जी

रमणीक बेदी

दिवाकर जैन

सुमन जैन

शीना जैन

याशना अरोड़ा

रिजुल अरोड़ा

पल्लवी चटवाल

पार्षद नीरज आहूजा

गायत्री गुप्ता

लुधियाना/यूटर्न/ 27 दिसंबर। श्री राम शरणम्, श्री राम पार्क में आयोजित 71वें राम नाम अखण्ड जप महायज्ञ का समापन आज प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक लड़कों के आर्य कॉलेज में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन अवसर पर अपने संबोधन में संत अश्वनी बेदी जी महाराज ने कहा कि परम पूज्य श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज ने अपने ग्रंथों में राम नाम की महिमा का विस्तार से वर्णन किया है। उन्होंने कहा कि निरंतर राम नाम के जाप से आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक—तीनों स्तरों पर असंख्य लाभ प्राप्त होते हैं। राम नाम का जाप व्यक्ति को जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर करता है। इससे पापों का क्षय होता है, धार्मिक गुणों में वृद्धि होती है तथा आत्मा का परमात्मा से सीधा संबंध स्थापित होता है।

संत जी ने कहा कि राम नाम का जाप आत्मा को शांति और सुकून प्रदान करता है, मानव चेतना को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। मानसिक रूप से यह चिंता, तनाव और निराशा को दूर करता है, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है तथा क्रोध, लालच, ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करने में सहायक होता है। इससे आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति भी सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा कि राम नाम सौभाग्य और सुख प्रदान करने वाला महामंत्र है, जो जीवन की बाधाओं को दूर कर सफलता के मार्ग प्रशस्त करता है। यह कर्ज से मुक्ति और आर्थिक स्थिरता लाने में भी सहायक माना गया है। राम नाम का जाप एक सरल समाधि के समान है, जो आधि, व्याधि और उपाधि—तीनों प्रकार के कष्टों का नाश करता है। इस अवसर पर ह्लऋद्धि-सिद्धि और नव-निधान, दाता राम है सब सुख-खानह्व पंक्ति का उल्लेख करते हुए संत जी ने कहा कि भगवान राम ही समस्त समृद्धि, सिद्धियों और सुखों के मूल स्रोत हैं। महायज्ञ में गायत्री गुप्ता, परवीन चौधरी, रिजुल अरोड़ा, याशना अरोड़ा, केशव वर्मा (चेयरमैन, स्वर्णकार वेलफेयर बोर्ड), पार्षद कवलजीत सिंह सचदेवा, सरदार गुरचरण सिंह, राजीव टंडन, गोरा थापर, सिम्मी वर्मा, बृजेश बेदी, प्रिया बेदी, समर बेदी (अमृतसर), अशोक शर्मा (मूही), शेरू सचदेवा, सुमन जैन, रूमा गुप्ता (दिल्ली), मंजू गुप्ता, विजय बजाज, सृष्टि बजाज, मधु बजाज, सुदर्शन जैन, उमा मित्तल, रमणीक कुमार, संजय गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

Happy Birthday

Navneet Kaur

रूह से रूबरू

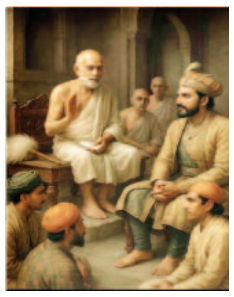

चारू नागपाल

अकबर का अपने अंतिम जीवन में जैन गुरु से प्रभावित होकर शाकाहारी बनना क्या संदेश देता है?

भारत का इतिहास धार्मिक सहिष्णुता, करुणा और मानवीय मूल्यों की अनेक प्रेरक घटनाओं से भरा हुआ है। मुगलसम्राट अकबर भी एक ऐसी ही शख्सियत था। कहा जाता है कि अकबर जैन धर्म के एक विख्यात गुरु से अत्यंत प्रभावित हुआ। जैन धर्म अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा का संदेश देता है। उसी शिक्षा का प्रभाव था कि अकबर ने कुछ समय के लिए शाकाहार अपनाया और पशु-जीवों की पीड़ा को समझना शुरू किया। उन्होंने न सिर्फ खुद जीव हिंसा को कम किया, बल्कि अपने राज्य में भी दया और अहिंसा को बढ़ावा दिया। जब एक इतना बड़ा शासक जीवों के कष्ट को समझकर अपने जीवन में बदलाव ला सकता है, तो हम सामान्य मनुष्य ऐसा क्यों नहीं कर सकते? आज भी हमारे आसपास अनेक पशु मानवीय अत्याचार झेलते हैं-चाहे भोजन, मनोरंजनया फैशन के नाम पर हो। यदि हम थोड़ी-सी संवेदनशीलता दिखाएँ, तो कई जीवों का जीवन बच सकता है। अकबर की यह सोच हमें सिखाती है कि शक्ति और महानता का असली रूप दया में है। जैन गुरु ने उन्हें बताया कि हर जीव में आत्मा है और वह भी दर्द महसूस करता है। इसलिए हमें भी जीवों पर दया करना सीखना चाहिए, जितना संभव हो हिंसा से बचना चाहिए तथा प्रकृति और सभी प्राणियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। यही सच्ची मानवता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Public Nuisance क्या है? रोज की परेशानी कब कानून का मुद्दा बन जाती है?

अक्सर लोग कहते हैं— 'थोड़ा शोर तो चलता है', 'ये तो रोज की बात है', या 'पड़ोस में ऐसा ही होता है'। लेकिन कानून हर रोज की परेशानी को मामूली नहीं मानता। कुछ स्थितियाँ ऐसी होती हैं, जो Public Nuisance बन जाती हैं और जिन पर कार्रवाई जरूरी होती है।

Public Nuisance का अर्थ-

जब किसी व्यक्ति या गतिविधि की वजह से आम लोगों की शांति, स्वास्थ्य या सुविधा प्रभावित हो— और परेशानी केवल एक व्यक्ति तक सीमित न होकर पूरे मोहल्ले, गली या सार्वजनिक स्थान तक फैल जाए— तो वह Public Nuisance मानी जाती है। रोजमर्रा के उदाहरण, देर रात तेज DJ या लाउडस्पीकर, रिहायशी इलाके में लगातार व्यावसायिक शोर, सड़क या पार्क पर कब्जा, शादी, पार्टी या धार्मिक कार्यक्रम में तय समय के बाद शोर, बार-बार शिकायत के बावजूद disturbance जारी रहना, यह जरूरी नहीं कि हर झगड़ा Public Nuisance हो। लेकिन जब परेशानी बार-बार, लगातार और कई लोगों को प्रभावित करने लगे, तो कानून हस्तक्षेप करता है।

आम नागरिक क्या कर सकता है?

सबसे पहले संबंधित व्यक्ति या आयोजक को शांति से आपत्ति बताई जा सकती है। यदि समस्या जारी रहे, तो पुलिस या प्रशासन को सूचना देना नागरिक का अधिकार है। ऐसे मामलों में शिकायत 'निजी झगड़ा' नहीं मानी जाती, बल्कि सार्वजनिक शांति का विषय होती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का उद्देश्य लोगों की आजादी छीनना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि एक व्यक्ति की मस्ती दूसरे की शांति न छीने।

निष्कर्ष : Public Nuisance छोटी बात नहीं है। यह शांति, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा विषय है। अगर परेशानी सार्वजनिक है, तो समाधान भी सार्वजनिक ज़िम्मेदारी है—और कानून उसी दिशा में काम करता है।

चार साहिबजादों की याद में लगाया लंगर

लुधियाना/यूटर्न/27 दिसंबर। जवाहर नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सेवा सभा में चार साहिबजादों की याद में दूध, जूस, बिस्कुट और पकौड़े का लंगर लगाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार जसपाल सिंह सोनू, डॉ. प्रीतम सिंह और गुरुद्वारा समिति के सभी सदस्य भी उपस्थित रहे।

डेराबस्सी में मुस्लिम भाईचारे ने दी बड़ी मिसाल, साहिबजादों की शहादत की याद में मुस्लिम वेलफेयर कमेटी (8360) ने लगाया लंगर

डेराबस्सी/यूटर्न/27 दिसंबर। डेराबस्सी में आपसी सौहार्द और भाईचारे की एक प्रेरणादायक मिसाल उस समय देखने को मिली, जब मुस्लिम वेलफेयर कमेटी (8360) डेराबस्सी की ओर से सिख इतिहास के अमर शहीद छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी की शहादत की याद में लंगर का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि धर्म से ऊपर इंसानियत और एकता का भाव ही समाज की असली ताकत है।

मुस्लिम वेलफेयर कमेटी की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी साहिबजादों की शहादत को नमन करते हुए लंगर लगाया गया। लंगर में बड़ी संख्या में राहगीरों, स्थानीय लोगों, सिख संगत सहित विभिन्न धर्मों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन स्थल पर सभी को बिना किसी भेदभाव के भोजन परोसा गया, जिससे सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि छोटे साहिबजादों की कुबार्नी केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश और मानवता के लिए प्रेरणा है। अत्याचार के सामने डटकर खड़े होकर उन्होंने धर्म और न्याय की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इसी भावना को जीवंत रखने के उद्देश्य से मुस्लिम वेलफेयर कमेटी (8360) द्वारा यह लंगर लगाया गया।

मियांपुर गांव में फिर शुरू हुई अवैध मिट्टी खनन, प्रशासन की कार्रवाई के बाद भी माफिया बेखौफ

डेराबस्सी/यूटर्न/27 दिसंबर। डेराबस्सी से सटे गांव मियांपुर में एक बार फिर अवैध मिट्टी खनन का खेल खुलेआम शुरू हो गया है। खनन माफिया रात के अंधेरे का फायदा उठाकर गांव में स्थित गोल्डन फॉरेस्ट की जमीन से रोजाना लाखों रुपये की मिट्टी चोरी कर रहा है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि पहले भी इस मामले में खबरें प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की थी, लेकिन कुछ दिन की सुस्ती के बाद माफिया फिर से सक्रिय हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खनन माफिया हलके के विभिन्न इलाकों में मिट्टी, रेत और ग्रेवल की अवैध खुदाई कर रहा है। खासतौर पर उनकी नजर उन गोल्डन फॉरेस्ट की जमीनों पर है, जो इस समय लावारिस हालत में पड़ी हैं। इन जमीनों की देखरेख पंजाब सरकार की जिम्मेदारी बनती है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के चलते इन पर कोई निगरानी नहीं हो रही। इसी का फायदा उठाकर माफिया इन जमीनों में धड़ल्ले से

अवैध खनन कर रहा है।

गांव मियांपुर में गोल्डन फॉरेस्ट की जमीन पर लंबे समय से अवैध खुदाई जारी है। जमीन में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि माफिया जेसीबी और पोकलेन जैसी भारी मशीनों की मदद से रोजाना लाखों रुपये की मिट्टी निकाल रहा है। सड़कों पर मिट्टी से लदे ओवरलोड टिप्पर दिन-रात दौड़ते नजर आते हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

इससे पहले भी इस अवैध खनन को लेकर अखबारों में खबरें प्रकाशित की गई थीं, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया था और अज्ञात लोगों के खिलाफ अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, गांव और इलाके के लोगों का कहना है कि खनन करने वालों की पहचान सभी को पता है, इसके बावजूद माइनिंग विभाग ने केवल खानापूर्ति करते हुए कार्रवाई की। नतीजतन, कुछ दिन खनन बंद रहने के बाद अब यह फिर से शुरू हो गया है। गांववासियों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि ओवरलोड टिप्परों के कारण जहां दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, वहीं सड़कों की हालत भी खराब हो रही है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं और खेतों में खड़ी फसलें भी खराब हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। जब इस संबंध में माइनिंग विभाग के एसडीओ रविंदरपाल से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके का दौरा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले भी पुलिस को शिकायत देकर मामला दर्ज कराया गया था और आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि जब तक जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से ठोस और स्थायी कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक अवैध खनन पर रोक लगना मुश्किल है।

रूपनगर में सरहिंद पुल से छेड़छाड़, टला हादसा, दिनदहाड़े प्लेटें और नट-बोल्ट चोरी

पंजाब/यूटर्न/27 दिसंबर। रूपनगर को जालंधर से जोड़ने वाले नए सरहिंद पुल पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दिनदहाड़े हुई इस घटना में पुल से लोहे की प्लेटें और नट-बोल्ट गायब पाए गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय पुल पर यातायात पूरी तरह चालू था। बता दे कि यह पुल रूपनगर रेलवे फाटक से लगभग 300 मीटर दूर स्थित है। इसका निर्माण कार्य चार साल तक चला और इसी साल फरवरी में इसे आम यातायात के लिए खोला गया था। यह पुल मुख्य रास्ता होने के साथ-साथ आसपास के कई गांवों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संपर्क साधन है। पुल से रोजाना भारी वाहन, बसें और निजी गाड़ियां गुजरती हैं। पुल से महज 100 मीटर की दूरी पर एक बस स्टैंड भी है, जहां हमेशा भीड़ रहती है।

मौके से भाग गए युवक

27 नवंबर को दोपहर के समय पुल के नीचे लाइट लगाने सहित अन्य कार्यों में लगे कर्मचारियों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। जेसीबी ऑपरेटर राजिंदर सिंह ने बताया कि जब उन्होंने अपनी मशीन खड़ी कर नीचे उतरकर देखा, तो दो युवक उन्हें देखकर मौके से भाग गए। जांच करने पर मौके से एक रेंच और कुछ नट-बोल्ट मिले, जबकि पुल की कुछ लोहे की प्लेटें और उनके सपोर्ट गायब पाए गए। एक प्लेट का अंतिम नट भी लगभग खुला हुआ था, जिससे पुल की मजबूती को नुकसान पहुंचने का खतरा था।मौके पर मौजूद रविंदर सैनी ने बताया कि पुल के दोनों ओर से कुछ प्लेटें और नट-बोल्ट गायब थे।

श्री साहिब पर टिप्पणी से भड़का सिख-समुदाय, निहंग सिंह पहुंचे मालेरकोटला, आरोपी से पूछताछ, लिखित माफी के बाद शांति

अमृतसर/यूटर्न/27 दिसंबर। पंजाब के मालेरकोटला के अहमदगढ़ में उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब सोशल मीडिया पर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणी सामने आई। यह टिप्पणी मालेरकोटला निवासी सुरेश ऋषि जिंदल द्वारा फेसबुक पर पोस्ट की गई थी, जिससे सिख संगत और धार्मिक संगठनों में गहरा रोष फैल गया। जैसे ही यह मामला सामने आया, स्थानीय स्तर पर विरोध शुरू हो गया और सिख समुदाय ने इसे अपनी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया।मामले की गंभीरता को देखते हुए निहंग सिंहों का जत्था भी मालेरकोटला पहुंचा। पारंपरिक नीले बाने में सजे निहंग सिंहों की मौके पर मौजूदगी से माहौल तनावपूर्ण हो गया। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सुरेश ऋषि जिंदल से कड़ी पूछताछ की गई।

कड़ी पूछताछ के बाद माफी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान दमदमी टकसाल के ज्ञानी तेजबीर सिंह खालसा ने नाराजगी जताते हुए सुरेश ऋषि जिंदल को तीन से चार थप्पड़ लगाए और उससे मौके पर ही माफी मंगवाई। इसके बाद सुरेश ऋषि जिंदल ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए मौखिक रूप से माफी मांगी। घटना के बाद तेजबीर सिंह खालसा ने स्थिति को संभालते हुए संगत और निहंग सिंहों से संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं शांति और मयार्दा का मार्ग दिखाती हैं, लेकिन गुरु साहिब के सम्मान के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता।

शिअद को बड़ा झटका, महिला अकाली दल के वार्ड प्रधान अमरजीत कौर आप में शामिल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/27 दिसंबर। शिरोमणि अकाली दल को शनिवार उस समय बड़ा झटका लगा, जब लंबे समय से पार्टी से जुड़े महिला अकाली दल के वरिष्ठ नेता और वार्ड नंबर 45 के प्रधान रहे मैडम अमरजीत कौर ने शिरोमणी अकाली दल को अलविदा कहते हुए आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। उन्हें बठिंडा के मेयर पदमजीत सिंह मेहता ने पार्टी का झंडा पहनाकर विधिवत रूप से आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उनके साथ सीनियर डिप्टी मेयर श्री शाम लाल जैन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान साधू सिंह की अगुवाई में आयोजित समारोह में अमरजीत कौर के परिवार के सदस्य भी मौजूद थे, जिन्होंने भी आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। अमरजीत कौर ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि वह पिछले लगभग 20 वर्षों से महिला अकाली दल के

वार्ड प्रधान के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे, लेकिन पिछले दस माह में मेयर पदमजीत सिंह मेहता द्वारा बठिंडा शहर के विकास के लिए किए गए प्रयासों से वह गहराई से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था में सुधार, बुनियादी ढांचे के विकास तथा जनता की समस्याओं के तुरंत समाधान ने उन्हें आम आदमी पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पार्षद रतन राही, जगपाल सिंह गोरा सिद्धू और यादविंदर सिंह मान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

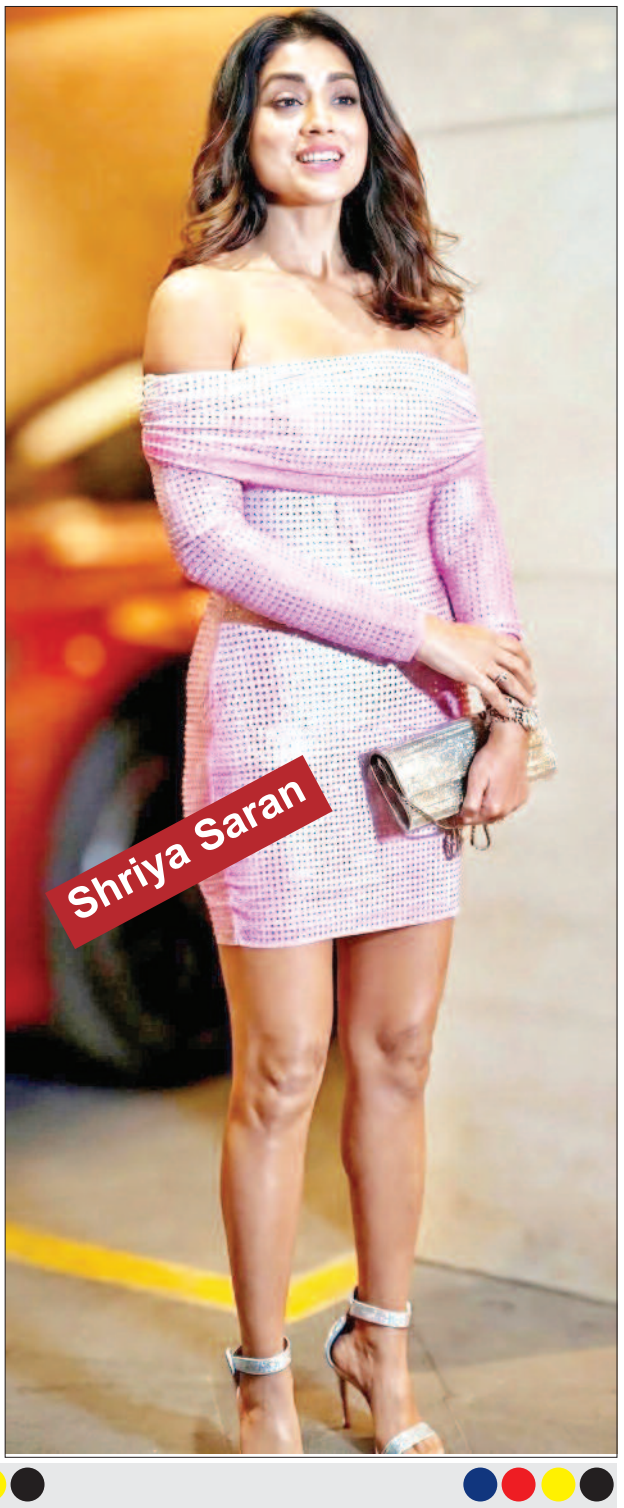

'रोशन पंजाब' योजना से बिजली कनेक्शन हुआ आसान, भविष्य-तैयार पावर ग्रिड की नींव रखी गई

चंडीगढ़/यूटर्न/27 दिसंबर। पंजाब में बिजली कनेक्शन अब और अधिक सरल, तेज और उपभोक्ता-अनुकूल हो गया है। राज्य के बिजली, उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन एवं एनआरआई मामलों के कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान बिजली विभाग ने विश्वसनीय आपूर्ति, आधुनिक अवसंरचना और उपभोक्ता सेवा सुधारों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

अब पीएसपीसीएल बिना किसी अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) के बिजली कनेक्शन जारी करेगा, केवल आवेदक द्वारा अंडरटेकिंग प्रस्तुत करने की शर्त होगी। आवेदन प्रक्रिया सरल और रिकॉर्ड डिजिटलीकृत किए जा रहे हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए अधिकांश उपभोक्ताओं के लिए टेस्ट रिपोर्ट या सत्यापन की शर्त समाप्त कर दी गई है। एलटी श्रेणी में 50 किलोवाट तक लोड के लिए नए कनेक्शन या अतिरिक्त लोड हेतु अब किसी लाइसेंसधारी ठेकेदार की रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं होगी।

मंत्री ने यह भी बताया कि लटकते तारों को सीधा करना, खंभों की संख्या कम करना और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष परियोजना चल रही है। नई केबलें, वितरण बॉक्स और ट्रांसफॉर्मर उन्नयन के साथ यह परियोजना 86 सब-डिवीजनों तक फैलायी जा रही है।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा जारी है, जिससे लगभग 90 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ताओं के बिल शून्य रह रहे हैं। कृषि क्षेत्र को धान सीजन में

प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक निर्बाध बिजली मिली, और औद्योगिक, वाणिज्यिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं पर कोई कटौती नहीं लगी।

'रोशन पंजाब' योजना के तहत ₹5,000 करोड़ का पावर इंफ्रास्ट्रक्चर अभियान चल रहा है। योजना में 70 नए सब-स्टेशन, 200 मौजूदा सब-स्टेशनों का उन्नयन, 25,000 किलोमीटर से अधिक लाइन नेटवर्क का विस्तार, 2,000 नए फीडर जोड़ना, 3,600 नए ट्रांसफॉर्मर स्थापित करना और 4,300 पुराने ट्रांसफॉर्मरों का उन्नयन शामिल है। इससे वोल्टेज स्थिर रहेगा और स्थानीय खराबियों में कमी आएगी।

औद्योगिक उपभोक्ताओं को 15 दिनों में अतिरिक्त 10 प्रतिशत कॉन्ट्रैक्ट डिमांड की सुविधा दी जा रही है, जबकि 500-2000 केवीए तक की मांग के लिए किसी भी प्रकार की Feasibility Clearance की आवश्यकता नहीं है। राज्य ने 5 जुलाई 2025 को अब तक की उच्चतम 16,670 मेगावाट पीक मांग पूरी की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.42 प्रतिशत अधिक थी। इस दौरान पीएसपीसीएल ने रोजगार सृजन और वित्तीय सुदृढ़ीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2022 से अब तक 8,984 उम्मीदवारों की भर्ती की गई और वित्त वर्ष 2024-25 में ₹2,630 करोड़ का लाभ अर्जित हुआ। गुरु अमरदास थर्मल प्लांट का अधिग्रहण और पुनरुद्धार भी सफलता पूर्वक हुआ, प्लांट लोड फैक्टर 82 प्रतिशत तक पहुंच गया। ट्रांसमिशन क्षमता 10,400/10,900 मेगावाट हो गई, जिससे राष्ट्रीय ग्रिड से अधिक बिजली आयात संभव हुआ। मंत्री ने कर्मचारियों के सुरक्षा, मुआवजा और चिकित्सा लाभ भी बढ़ाए। ड्यूटी में मृत्यु या घायल होने पर नियमित कर्मचारियों को ₹35 लाख तक मुआवजा, आउटसोर्स कर्मचारियों को ₹30 लाख मुआवजा और चिकित्सा अग्रिम ₹10 लाख तक प्रदान की गई। श्री अरोड़ा ने कहा कि पंजाब सरकार बिजली वितरण को अधिक भरोसेमंद, औद्योगिक-अनुकूल और भविष्य-तैयार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे प्रदेश के नागरिक, किसान और उद्योग लाभान्वित होंगे।

राव नरबीर सिंह ने मालिबू टाउन में विकास कार्यों का शिलान्यास और गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर किया मत्था टेका

गुरुग्राम/यूटर्न/27 दिसंबर। हरियाणा के उद्योग, वाणिज्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने शनिवार को मालिबू टाउन में नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने अंडरग्राउंड वाटर टैंक का निर्माण, स्टारवुड एवं जीएस ब्लॉक में इंटरलॉकिंग टाइल्स का कार्य, और सेंट्रल व स्टारवुड पार्क के विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की शुरूआत की। राव नरबीर सिंह ने कहा कि ये सभी कार्य चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे और नागरिकों द्वारा सुझाए गए जरूरी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने मालिबू टाउन को गुरुग्राम का सबसे हरियाली वाला सेक्टर बताते हुए पर्यावरण संरक्षण को सरकार की प्रमुख प्राथमिकता बताया।

मंत्री ने पॉलिथीन मुक्त पायलट प्रोजेक्ट की जानकारी दी और नागरिकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में सीवर लाइनों की समस्या का मुख्य कारण पॉलिथीन है और इसे हटाने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, वार्ड-11 के पार्षद कुलदीप यादव, सेक्टर प्रतिनिधि तथा अन्य वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे। इसके अलावा राव नरबीर सिंह ने सेक्टर-22 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व पर मत्था टेका और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुरु जी के साहस, त्याग और मानवता सेवा के आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणा बताते हुए लंगर और सेवा की परंपरा की महत्ता बताई।

रिटायर्ड कर्नल के घर चोरी मामले का खुलासा, क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 ने दो आरोपी किए गिरफ्तार

पंचकूला/यूटर्न/27 दिसंबर। रिटायर्ड कर्नल के बंद मकान में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-19, पंचकूला की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने इंचार्ज एसआई मुकेश सैनी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को सेक्टर-17 मार्केट, पंचकूला से गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सेक्टर-17, पंचकूला स्थित एक बंद पड़े मकान में चोरों ने 12, 13 और 14 दिसंबर की रात लगातार चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मकान मालिक सरबजीत सिंह, जो कि रिटायर्ड कर्नल हैं, ने पुलिस को बताया कि वह कुछ माह पूर्व अपने परिवार सहित हैदराबाद शिफ्ट हो गए थे, जिसके चलते मकान बंद था। इस

मौके का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर सभी कमरों, किचन, ड्राइंग हॉल, अलमारियों एवं लॉकर की बारीकी से तलाशी लेकर चोरी की।इस चोरी की वारदात में आरोपी करीब ढाई लाख रुपये के गहने तथा 75 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरी की जानकारी मिलने पर मकान मालिक स्वयं पंचकूला पहुंचे और पुलिस थाना सेक्टर-14 में शिकायत दर्ज करवाई। मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 ने तकनीकी साक्ष्यों एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों समीर, निवासी बुढ़नपुर, तथा राहुल उर्फ मुंगी, निवासी राजीव कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारदोनों आरोपियों को आज अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में आगे की पूछताछ जारी है तथा चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पंचकूला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी का घर लंबे समय से बंद है या वे छुट्टियों के दौरान कहीं बाहर जा रहे हैं, तो इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस थाना या पुलिस चौकी में अवश्य दें, ताकि संबंधित क्षेत्र में समय-समय पर पुलिस गश्त की जा सके और चोरी जैसी घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सके।

बाढ़ पीड़ित पशुपालकों के पुनर्वास हेतु 23 परिवारों को साहीवाल गायें वितरित

अमृतसर/यूटर्न/27 दिसंबर। अजनाला क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से पशुधन का नुकसान झेलने वाले पशुपालकों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन ने एक और सराहनीय पहल की है। डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह के नेतृत्व में मिशन चढ़दी कला और मिशन सांझा उपराला के तहत 23 और प्रभावित पशुपालकों को उत्तम नस्ल की साहीवाल गायें उपलब्ध करवाई गईं। इससे पहले भी 16 परिवारों को गायें दी जा चुकी हैं। इस अवसर पर हलका विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल, विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर रोहित गुप्ता, रेड क्रॉस के सचिव सैमसन मसीह और दानदाता राकेश हांडा उपस्थित रहे। धालीवाल ने कहा कि गाय दान न केवल पवित्र कार्य है, बल्कि यह जरूरतमंद परिवारों के लिए स्थायी रोजगार का साधन भी बनेगा। विधायक निज्जर ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए सभी समाजसेवियों का धन्यवाद किया। डिप्टी कमिश्नर ने भरोसा दिलाया कि रेड क्रॉस भविष्य में भी जरूरतमंदों की सहायता जारी रखेगा।

जीरकपुर में चोरी की एक्टिवा पर स्नैचिंग करता एक गिरफ्तार, केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/27 दिसंबर। जीरकपुर के भबात में एक नौजवान एक्टिवा चुराई और अगले दिन सुबह स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने की कोशिश में पुलिस के हत्थे चढ़ गया। दूसरी ओर, पुलिस ने आरोपी खिलाफ एक्टिवा चोरी और स्नैचिंग के आरोप में केस दर्ज करके आगामीं जांच शुरू कर दी है। वहीं, आरोपी की पहचान रोशन लाल निवासी भबात के रूप में हुई, जो महिला के पर्स को स्नैच करते समय काबू में आ गयाऔर लोगों की मदद से पुलिस हवाले किया।

डेराबस्सी के गांव दफ्फरपुर की रहने वाली मीनाक्षी एक निजी कंपनी में अकाऊंटेंट है, जो शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे बलटाना स्थित के-एरिया चौक पहुंचे और यहां अंडरपास को पैदल क्रास करके सैणी विहार जा रही थी। लेकिन इसी दौरान आरोपी रोशन अपने एक अन्य साथी के साथ चोरी की एक्टिवा पर आया, जिसने मीनाक्षी के हाथ में पकड़ा पर्स झपटकर भागने की कोशिश की। दूसरी ओर, मीनाक्षी ने हिम्मत दिखाते हुए स्कूटी को पकड़कर नीचे गिरा दी और मीनाक्षी ने रोशन को मजबूती से पकड़कर रखा। लेकिन साथी मौके से भागने में कामयाब रहा, जिसके बाद में आसपास के लोगों की मदद से रोशन को पकड़कर पुलिस हवाले कर दिया और पुलिस ने मीनाक्षी की शिकायत पर रोशन लाल खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्नैचिंग का केस दर्ज कर लिया है। इस बीच पुलिस ने जांच की तो पता चला कि रोशन जिस एक्टिवा पर स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने आया था, वो भबात से चोरी किया है और स्कूटी मालिक का पता लगाकर थाने बुलवा लिया है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372